Report on One-Day Workshop on *"Strategic Planning for UGC NET/JRF: Time Management and Study Plan"*

Jointly organized by: Postgraduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya, in association with the Indian Accounting Association, Patna Branch, Bihar under the aegis of IQAC, Magadh University

Date: 07 December 2024

Venue: Seminar Hall, P. G. Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya

Patron
Prof. Shashi Pratap Shahi
Hon'ble Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Co-Patron
Prof. B. R. K. Sinha
Hon'ble Pro Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Convenor
Prof. Anwar Khurshid Khan
Head, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Organising Secretary
Dr. Vineeta Kumari
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Co-Organising Secretary
Dr. Shweta Goel
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Comprehensive Report

The workshop commenced with an enthusiastic welcome by Ph. D. Coursework student anchors Mr. Uttam Kumar and Ms. Shalini Garg. They warmly greeted the distinguished dignitaries, esteemed speakers, faculty members, staff, and participants. The program began with a soulful rendition of Saraswati Vandana, invoking blessings for a successful and enlightening session. Following this, the workshop was declared open with the kind consent of Prof. Anwar Khurshid Khan, Convenor, Head and Dean, Faculty of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya. The dignitaries and experts were felicitated for their contribution and presence. Mr. Jatin Kumar Jaiswal, a Senior Research Fellow from the Central University of South Bihar with expertise in different research methodologies, was felicitated by Prof. Anwar Khurshid Khan. Ms. Pooja Kumari, a Junior Research Fellow from the Central University of South Bihar, was felicitated by Dr. Shweta Goel, P. G. Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya.

Thereafter, Prof. Anwar Khurshid Khan addressed the gathering with his insightful words, emphasizing the importance of strategic preparation and time management for academic success in competitive examinations like UGC NET/JRF. The theme address followed this. Dr. Vineeta Kumari, the Organising Secretary, Assistant Professor, P. G. Department of Commerce,

Magadh University, Bodh Gaya, and Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch, in her theme address, highlighted the workshop's objectives, focusing on creating actionable strategies for effective time management and study planning tailored for UGC NET/JRF aspirants.

The session was then handed over to Mr. Jatin Kumar Jaiswal. Mr. Jaiswal highlighted the importance of strategic planning for UGC NET. He discussed exam structure, marking schemes, and recent cut-off trends to clarify the scoring benchmarks. For Paper 1, he emphasized focusing on areas like research aptitude, reasoning, and ICT to maximize scores, while for Paper 2 (Commerce), he recommended prioritizing topics such as business finance, statistics, and international business. He outlined effective time management techniques, sources for preparation, and the significance of solving the previous year's questions (PYQs). Mr. Jaiswal encouraged consistency, resilience, and belief in one's abilities for success.

In the second session, Ms. Pooja Kumari outlined an efficient study plan for achieving success in the UGC NET/JRF examination. She emphasized goal setting, recommending a target of scoring 75-80% and allocating dedicated time for syllabus coverage, revision, and practice. Her approach included effective time management over six months, resource utilization (standard books, online platforms, and self-notes), and regular self-assessment through previous year questions and mock tests. Ms. Kumari highlighted the importance of making concise, revision-friendly notes using flowcharts and diagrams. She encouraged participants to analyze frequently asked topics and consistently practice to ensure success.

Each session included a lively interactive Q&A, where participants actively engaged with the experts, seeking guidance on preparation strategies and clarifications on complex topics. Mr. Nikhil Kumar, a Ph.D. Coursework student, presented a concise summary of the workshop, reflecting on the knowledge shared and its potential impact on the academic journeys of the participants. The program concluded with a heartfelt Vote of Thanks delivered by Dr. Shweta Goel, who thanked the experts, organizers, and participants for their contributions to the workshop's success. The workshop ended on an inspiring note, with Ms. Shalini Garg quoting Benjamin Franklin: *"An investment in knowledge always pays the best interest."* She encouraged participants to apply the insights gained and pursue their goals with determination and confidence.

The workshop provided valuable insights into strategic preparation for UGC NET/JRF, equipping participants with practical techniques to enhance their study plans and time management.

Report prepared by

Dr. Vineeta Kumari (Organising Secretary)
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, MU, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Verified by

Prof. Anwar Khurshid Khan (Convenor)
Head & Dean, Faculty of Commerce, MU, Bodhgaya

Glimpse of the event

Media Coverage

प्रभात खबर | कैंपस प्रभात | पटना, रविवार 08.12.2024 | 06

नोटिस बैनर | बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा 13 व 14 दिसंबर को होगी | prabhatkhabar.com

मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में कार्यशाला का आयोजन

सफलता के लिए रणनीतिक तैयारी व समय प्रबंधन जरूरी

संवाददाता, बोधगया

मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में यूजीसी नेट/जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजना, समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी जतिन कुमार जायसवाल व पूजा कुमारी थे. दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं. कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई. दोनों विशेषज्ञों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करने के बाद संयोजक प्रो अनवर खुर्शीद खान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और कड़ी मेहनत करने व यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने का सुझाव दिया. इसके बाद आयोजन सचिव डॉ विनीता कुमारी ने कार्यशाला के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला. स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने अपने भाषण में सभी को प्रोत्साहित किया तथा सुझाव दिया कि इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर होते रहना चाहिए. पहले सत्र के दौरान विशेषज्ञ जतिन कुमार जायसवाल ने प्रतिभागियों को जागरूक किया. उन्होंने यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी व समय प्रबंधन पर जोर दिया. उन्होंने परीक्षा के संरचना, अंक निर्धारण प्रणाली और हाल के कटऑफ ट्रेंड्स पर चर्चा की. उनके अनुसार पेपर वन के लिए अनुसंधान योग्यता, तार्किक क्षमता और आइसीटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, वहीं, पेपर दो (वाणिज्य) के लिए व्यवसाय वित्त, सांख्यिकी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे विषयों पर ध्यान देने की सलाह दी. दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला. उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करने, पाठ्यक्रम समाप्ति, पुनरावलोकन और अभ्यास के लिए समय प्रबंधन के महत्व पर बल दिया. उन्होंने प्रतिभागियों को उपयोगी नोट्स तैयार करने व मॉक टेस्ट के माध्यम से आत्म मूल्यांकन पर जोर दिया. हर सत्र के साथ-साथ परस्पर प्रश्न-उत्तर का भी सिलसिला चलता रहा. दोनों सत्रों के अंत में पीएचडी कोर्स वर्क के छात्र निखिल कुमार ने कार्यशाला की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की. इसके बाद उप आयोजन सचिव डॉ श्वेता गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया. यह कार्यशाला यूजीसी नेट की तैयारी में लगे छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक व उपयोगी पहल साबित हुई. इस कार्यशाला का सफल संचालन विभाग के पीएचडी कोर्स वर्क की विद्यार्थी शालिनी गर्ग व उत्तम कुमार ने किया. कार्यशाला को सफल बनाने में विभाग के शिक्षकेतर कर्मचारी डॉ रंजीत सिंह, नीरज कुमार, अजय कुमार, राजू कुमार, शिव प्रकाश, ब्रजेश, पिंटू, संतोष, मुन्ना का योगदान रहा.

कार्यशाला में शामिल स्टूडेंट्स.

2 | गया | पटना। रविवार • 8 दिसम्बर • 2024 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

नेट जेआरएफ पर वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में यूजीसी नेटध्जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजनारू समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी, श्री जतिन कुमार जयसवाल और सुश्री पूजा कुमारी थीं। दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं।

संयोजक प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और कड़ी मेहनत करने और यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने का सुझाव दिया। तत्पश्चात आयोजक-सचिव डॉ. विनीता कुमारी ने कार्यशाला के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने अपने भाषण से सभी को प्रोत्साहित किया तथा सुझाव दिया की इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर होते रहना चाहिए। पहले सत्र के दौरान विशेषज्ञ श्री जतिन कुमार जयसवाल ने प्रतिभागियों को जागरूक किया।

श्री जयसवाल ने यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी और समय प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने परीक्षा के संरचना, अंक निर्धारण प्रणाली, और हाल के कटऑफ ट्रेंड्स पर चर्चा की। उनके अनुसार, पेपर 1 के लिए अनुसंधान योग्यता, तार्किक क्षमता, और आईसीटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं, पेपर 2 (वाणिज्य) के लिए व्यवसाय वित्त, सांख्यिकी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे विषयों पर ध्यान देने की सलाह दी। दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करने, पाठ्यक्रम समाप्ति, पुनरावलोकन, और अभ्यास के लिए समय प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को उपयोगी नोट्स तैयार करने और मॉक टेस्ट के माध्यम से आत्ममूल्यांकन पर जोर दिया। हर सत्र के साथ साथ परस्पर प्रश्न-उत्तर का भी सिलसिला चलता रहा।

कार्यशाला में शामिल होते मविवि के छात्र-छात्राएं।

यूजीसी-नेट और जेआरएफ पर कार्यशाला आयोजित

गया, कार्यालय संवाददाता। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में शनिवार को यूजीसी नेट जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजनाः समय प्रबंधन और अध्ययन योजना विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी जतिन कुमार जयसवाल और पूजा कुमारी थीं।

एमयू के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में आयोजित कार्यशाला में शामिल छात्र-छात्राएं।

दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। दोनों विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को सफलता के टिप्स बताए। जतिन कुमार जयसवाल ने प्रतिभागियों को जागरूक किया। यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी और समय प्रबंधन पर जोर दिया।

दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजक प्रो अनवर खुर्शीद ख्वान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने का सुझाव दिया। आयोजक सचिव डॉ विनीता कुमारी ने कार्यशाला के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने अपने अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंत में पीएचडी कोर्सवर्क के छात्र निखिल कुमार ने कार्यशाला की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की।

इसके बाद डॉ. श्वेता गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पीएचडी कोर्स-वर्क के विद्यार्थी शालिनी गर्ग, उत्तम कुमार, शिक्षकेत्तर कर्मी डॉ रंजित सिंह, नीरज कुमार, अजय कुमार, राजू कुमार, शिव प्रकाश ,ब्रजेश, पिंटू, संतोष, मुन्ना कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन में भागीदारी निभाई।

सलाह • मविवि में रणनीतिक योजना: समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर कार्यशाला

नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए समय प्रबंधन व रणनीतिक तैयारी की है जरूरत

एजुकेशन रिपोर्टर | बोधगया

शनिवार को मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में यूजीसी नेट/जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजना: समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर एक-दिवसीय कार्यशाला हुआ। इसके विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी जतिन कुमार जायसवाल और पूजा कुमारी थीं। दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं। संयोजक प्रो. अनवर खुर्शीद ख्वान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और कड़ी मेहनत करने और यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने

कॉमर्स विभाग में कार्यशाला।

का सुझाव दिया। तत्पश्चात आयोजक-सचिव डॉ. विनीता कुमारी ने कार्यशाला के विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने अपने भाषण से सभी को प्रोत्साहित किया तथा सुझाव दिया की इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर होते रहना चाहिए। पहले सत्र के दौरान विशेषज्ञ जतिन कुमार जायसवाल ने प्रतिभागियों को जागरूक किया। श्री जायसवाल ने यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी और समय प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने परीक्षा के संरचना, अंक निर्धारण प्रणाली, और पास के कटऑफ ट्रेंड्स पर चर्चा की। उनके अनुसार, पेपर 01 के लिए अनुसंधान योग्यता, तार्किक क्षमता, और आईसैटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

वहीं, पेपर 02 (वाणिज्य) के लिए व्यवसाय वित्त, सांख्यिकी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे विषयों पर ध्यान देने की सलाह दी। दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करने, पाठ्यक्रम समाप्ति, पुनरावलोकन, और अभ्यास के लिए समय प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को उपयोगी नोट्स तैयार करने और मॉक टेस्ट के माध्यम से आत्म मूल्यांकन पर जोर दिया। हर सत्र के साथ साथ परस्पर प्रश्न-उत्तर का भी सिलसिला चलता रहा। दोनों सत्रों के अंत में, पीएचडी. कोर्सवर्क के छात्र श्री निखिल कुमार ने कार्यशाला की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की। इसके बाद डॉ. श्वेता गोयल, उप-आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह कार्यशाला यूजीसी नेट की तैयारी में लगे छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक और उपयोगी पहल साबित हुई। इस कार्यशाला का संचालन विभाग के पीएचडी कोर्स-वर्क के विद्यार्थी शालिनी गर्ग एवं उत्तम कुमार ने किया।

तार्किक क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी

जागरण संवाददाता, बोधगया : शनिवार को मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में यूजीसी नेट-जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजनाः समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी जतिन कुमार जायसवाल और पूजा कुमारी थीं। दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। दोनों विशेषज्ञों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करने के बाद संयोजक प्रो. अनवर खुर्शीद ख़ान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और कड़ी मेहनत करने और यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने का सुझाव दिया। तत्पश्चात आयोजक-सचिव डा. विनीता कुमारी ने कार्यशाला के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संजय कुमार ने अपने संबोधन में सभी को

कार्यशाला में शामिल प्राध्यापक, शोधकर्ता व छात्र-छात्राएं • जागरण

प्रोत्साहित किया तथा सुझाव दिया की इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर होते रहना चाहिए। पहले सत्र के दौरान विशेषज्ञ जायसवाल ने यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी और समय प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने परीक्षा के संरचना, अंक निर्धारण प्रणाली, और हाल के कटआफ ट्रेंड्स पर चर्चा की। उनके अनुसार पेपर एक के लिए अनुसंधान योग्यता, तार्किक क्षमता, और आइसीटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं, पेपर दो (वाणिज्य) के लिए व्यवसाय वित्त, सांख्यिकी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे विषयों पर ध्यान देने की सलाह दी। दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करने, पाठ्यक्रम समाप्ति, पुनरावलोकन, और अभ्यास के लिए समय प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को उपयोगी नोट्स तैयार करने और माक टेस्ट के माध्यम से आत्ममूल्यांकन पर जोर दिया। हर सत्र के साथ साथ परस्पर प्रश्न-उत्तर का भी सिलसिला चलता रहा। दोनों सत्रों के अंत में पीएचडी कोसंवर्क के छात्र निखिल कुमार ने कार्यशाला की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की। इसके बाद डॉ. श्वेता गोयल, उप-आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

नेट जेआरएफ पर वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

बोधगया (आससे)। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में यूजीसी नेट/जेआरएफ के लिए रणनीतिक योजनारू समय प्रबंधन और अध्ययन योजना पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी, जतिन कुमार जयसवाल और सुश्री पूजा कुमारी थीं। दोनों विशेषज्ञ यूजीसी नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड हैं। संयोजक प्रो. अनवर खुर्शीद खान ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया और कड़ी मेहनत करने और यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करनेका सुझाव दिया। तत्पश्चात आयोजक-सचिव डा. विनीता कुमारीने कार्यशाला के विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभागके सहायक प्राध्यापक डा संजय कुमारने अपने भाषण से सभी को प्रोत्साहित किया तथा सुझाव दिया की इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर होते रहना चाहिए। पहले सत्रके दौरान विशेषज्ञ जतिन कुमार जयसवाल ने प्रतिभागियों को जागरूक किया। श्री जयसवाल ने यूजीसी नेट में सफलता प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तैयारी और समय प्रबंधनपर जोर दिया। उन्होंने परीक्षा के संरचना, अंक निर्धारण प्रणाली, और हाल के कटआफ ट्रेंड्स पर चर्चा की। उनके अनुसार, पेपर 1 के लिए अनुसंधान योग्यता, तार्किक क्षमता, और आईसीटी जैसे क्षेत्रें पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं, पेपर 2 वाणिज्य के लिए व्यवसाय वित्त, सांख्यिकी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे विषयों पर ध्यान देने की सलाह दी।

दूसरे सत्र में पूजा कुमारी ने अध्ययन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करने, पाठ्यक्रम समाप्ति, पुनरावलोकन, और अभ्यास के लिए समय प्रबंधन के महत्वपर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियोंको उपयोगी नोट्स तैयार करने और माक टेस्ट के माध्यम से आत्ममूल्यांकन पर जोर दिया। हर सत्र के साथ साथ परस्पर प्रश्न-उत्तर का भी सिलसिला चलता रहा।